

**Title:** Requested the Central Government to allocate funds for the excavation of the shallow rivers flowing through the Jaleshar constituency, Uttar Pradesh.

प्रो.एस.पी.सिंह बघेल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं उत्तर प्रदेश के जलेश्वर जिला से चुनकर आया हूँ जहाँ बहने वाली तीन नदियाँ- ईसन, सिरसा और आरिंद द्वारा बाढ़ के कारण हजारों हेक्टेयर जमीन की खरीफ की फसल बरबाद हो गई है। किसान रबी की फसल बो नहीं पा रहे हैं। पूरे सम्पर्क मार्ग समाप्त हो गये हैं। एटा और फिरोज़ाबाद जिलों में बहने वाली इन नदियों से एटा जिले के निघौली, महारारा, जलेश्वर, अबागड़ ब्लॉक और फिरोज़ाबाद जिले के टुंडला, ब नारखी ब्लॉक के किसान पूरी तरह से बरबाद हो गये हैं। ये नदियाँ इतनी उथली हो गई हैं कि आम दिनों में जब पानी नहीं हो और अगर वहाँ से गुज़रे तो समझ ही नहीं सकते कि यह नदी है जबकि बरसात के दिनों में ये कहर डालती है। हालाँकि देश के मानचित्र में ये बड़ी नदियाँ नहीं हैं लेकिन मेरे क्षेत्र के हजारों गाँवों के किसानों को बुरी तरह से बरबाद कर दिया है। पिछले तीन साल में खरीफ और रबी की एक फसल भी नहीं हुई है। एक साल भी ऐसा नहीं गया जब बाढ़ न आयी हो। इससे किसान बुरी तरह से बरबाद हो रहे हैं। मेरा केंद्रीय सरकार से आग्रह है कि राष्ट्रीय जल आयोग या केंद्रीय नदी आयोग द्वारा या जो भी संबंधित आयोग हो, इन उथली नदियों की खुदाई करवाई जाये। नदियों की खुदाई करने से जल भराव नहीं होगा। इससे किसान बरबाद होने से बच जायेंगे। जिला योजना के तहत सरकार के पास पैसा नहीं जो इन नदियों की खुदाई करवा सके। मेरा केंद्रीय सरकार से आग्रह है कि इन उथली नदियों की खुदाई के लिये धन का आबंटन किया जाये ताकि मेरे क्षेत्र के किसान बरबाद होने से बच सकें।

&nbs